

सन्दर्भ लेखन
Reference Writing

डॉ. प्रभात शुक्ल

आचार्य, शिक्षक शिक्षा संकाय, स्वामी शुकदेवानन्द विश्वविद्यालय, शाहजहाँपुर

D.O.I. <https://doi.org/10.5281/zenodo.23421959>

Article: Received: 28/09/2026, Accepted: 11/10/2026, Published: 16/10/2026.



@2026 The Author(s). This is an Open Access article/ Journal distributed under the terms of the Creative Commons Attribution 4.0 International. (<https://creativecommons.org/licenses/by/4.0/>)

संक्षिप्त सारांश: सन्दर्भ सभी प्रकार के अकादमिक लेखन का एक अभिन्न अंग होते हैं। सन्दर्भ का मुख्य उद्देश्य साहित्यिक चोरी को हतोत्साहित करना और ज्ञान के विकास में विद्वानों, शोधकर्ताओं तथा लेखकों को उनके मौलिक लेखों का श्रेय देना है। सन्दर्भ के लिए विश्व भर में विभिन्न शैलियों का उपयोग किया जाता है जिनमें कई समानताएं तथा विषमताएं हैं। सन्दर्भ (Reference) को सामान्यतः उद्धरण (Citation) भी कहा जाता है। सन्दर्भ को किसी के नाम या किसी व्यक्ति को क्रेडिट देने या उसके उल्लेख करने के कार्य के रूप में समझा जा सकता है। शोध पद्धति में यह उन वस्तुओं को निरूपित करता है जिनकी आपने समीक्षा की है और पाठ में आपके शोध कार्य में इसका उल्लेख किया है। यह वास्तव में उन स्रोतों के प्रति आभार व्यक्त करने एक तरीका है जहाँ से जानकारी इकट्ठा की जाती है। सन्दर्भों का उपयोग करते समय स्रोतों की मौलिकता और विश्वसनीयता पर विशेष ध्यान देने की आवश्यकता होती है। यह आपके लेख/शोध कार्य की विश्वसनीयता को बढ़ाता है और आपके तर्कों का समर्थन भी करता है। सन्दर्भ के अन्तर्गत किताबें, शोध पत्र, पत्रिका, समाचार पत्र, साक्षात्कार, इंटरनेट स्रोत जैसे वेबसाइट, ब्लॉग, वीडियो, ऑडियो आदि शामिल हो सकते हैं। लेख अथवा शोध कार्य में उपयोग किए गए सन्दर्भों को शोध रिपोर्ट के अन्त में सूची के रूप में जोड़ा जाता है जिसे सन्दर्भ सूची कहते हैं। इसमें उन पुस्तकों, पत्रिकाओं, वेबसाइटों या अन्य ऑनलाइन अथवा ऑफलाइन स्रोतों के नाम शामिल होते हैं जिनका सन्दर्भ शोध कार्य में दिया गया है। सरल शब्दों में इसमें फुटनोट और अन्य महत्वपूर्ण कार्यों के रूप में उद्धृत किए गए सभी सन्दर्भ शामिल हैं जो लेखक ने अध्ययन किए हैं।

मुख्य शब्द: सन्दर्भ लेखन, साहित्यिक चोरी, उद्धरण, शोध कार्य, विश्वसनीयता, सन्दर्भ सूची

सन्दर्भ को किसी व्यक्ति को उसके अभिनव कार्य के लिए स्वीकार करने और पहचानने की एक विधि के रूप में परिभाषित किया जा सकता है जिसका उपयोग आपने अपने विचार का समर्थन करने लिए अपने शोध में किया है। सन्दर्भ में सामान्यतः लेखक का नाम, प्रकाशन वर्ष, प्रकाशक का नाम और स्थान, पत्रिका का शीर्षक या पुस्तक का नाम, शोध का शीर्षक या अध्याय का नाम का उल्लेख करना होता है। सन्दर्भ दो स्तरों पर किया जाता है- प्रथम लेख के मुख्य भाग में संक्षिप्त सन्दर्भ देना होता है जिसे 'इन टेक्स्ट उद्धरण' कहते हैं और दूसरा सूची के रूप में शोध लेख के अन्त में एक विस्तृत सन्दर्भ प्रदान किया जाता है।

निष्कर्ष: सन्दर्भ के सम्बन्ध में लेखकों को निम्न बातों को ध्यान में रखना आवश्यक है-

1. शोध अध्ययन की सन्दर्भ सूची (References) और ग्रन्थ सूची (Bibliography) में क्या अन्तर होता है, इस सम्बन्ध में शोधकर्ता को स्पष्ट जानकारी होनी चाहिए कि सन्दर्भ सूची (References) शोध अध्ययन की तैयारी में प्रयुक्त एवं वास्तव में उद्धृत स्रोतों के बारे में बताते हैं जबकि ग्रन्थ सूची (Bibliography) में वे सभी संसाधन (प्रकाशित, अप्रकाशित और ऑन लाइन) शामिल होते हैं जो शोध कार्य को पूर्ण करने तथा शोध प्रतिवेदन की विषयवस्तु को समझने तथा उसके बारे में अतिरिक्त जानकारी प्राप्त करने के लिए उपयोगी होते हैं।
2. शोधकर्ता को यह अच्छी तरह से समझ लेना चाहिए कि सन्दर्भ विभाग में जिन पुस्तकों या अध्ययन सामग्री की सूची प्रदान की जाती है, उन सभी का उल्लेख शोध प्रतिवेदन के अध्ययन में कहीं न कहीं होना ही चाहिए और इसी तरह जिन ग्रन्थों या अध्ययन सामग्री को प्रतिवेदन के अध्यायों में कहीं भी उद्धृत किया गया है, उन सभी को सन्दर्भ सूची में स्थान मिलना ही चाहिए। ऐसा न होना प्रतिवेदन लेखन की एक गम्भीर त्रुटि माना जाता है।
3. शोध प्रतिवेदन के सन्दर्भ सूची में दिए गए सभी सन्दर्भों को लेखक के अन्तिम नाम (Surname) के प्रथम अक्षर को ध्यान में रखते हुए वर्णमाला क्रम में प्रस्तुत किया जाना चाहिए। किसी लेखक या लेखकों द्वारा लिखित बहुत सी पुस्तकों/लेखों को उद्धृत करने के लिए जो आधुनिकतम है उसे पहले और पूर्व की रचनाओं को कालक्रम के हिसाब से स्थान प्रदान किया जाना चाहिए।

4. प्रतिवेदन के अध्यायों में उद्धृत किए गए प्रकाशित एवं अप्रकाशित रचनाओं तथा प्रतिवेदन के सन्दर्भ सूची में लिखने हेतु विशेष प्रकार की प्रक्रिया और नियमों को अपनाया जाता है जिसके बारे में आगे बताया गया है।

सन्दर्भ शैलियाँ (Referencing Styles)-

विभिन्न विषयों में जर्नल्स और व्यावसायिक संगठनों द्वारा सन्दर्भ लेखन हेतु विभिन्न शैलियों का उपयोग किया जाता है। सन्दर्भ शैली में स्थित अन्तर विविध विषयों तथा संगठनों की आवश्यकताओं में स्थित अन्तर को प्रतिबिम्बित करते हैं। उदाहरण के लिए भौतिक और सामाजिक विज्ञानों में स्रोत दस्तावेज के प्रकाशन वर्ष का इतना महत्वपूर्ण स्थान होता है कि विद्यार्थी के लिए भौतिक और सामाजिक विज्ञानों में स्रोत दस्तावेजों के प्रकाशन वर्ष को मुख्य लेख में ही शामिल किया जाता है (जैसे- भटनागर, 1972)। जबकि प्रकाशन वर्ष का मानवविज्ञान में इतना महत्वपूर्ण स्थान नहीं होता है, विशेष रूप से भाषा और साहित्य में, अतः इनमें प्रकाशन वर्ष मुख्य लेख में उद्धृत किया जाना अधिक महत्वपूर्ण नहीं होता है।

कुछ प्रमुख सन्दर्भ लेखन शैलियाँ निम्नानुसार हैं-

1. APA (American Psychological Association)
2. MLA (Modern Language Association)
3. MHRA (Modern Humanities Research Association)
4. Harvard Style
5. Chicago Style
6. ACS (American Chemical Society)
7. AGLC (Australian Guide to Legal Citation)
8. AMA (American Medical Association)
9. CSE/CBE (Council of Science Editors/ Council of Biology Editors)
10. IEEE (Institute of Electrical and Electronics Engineers)

ए पी ए शैली (APA Style)-

ए पी ए शैली, अकादमिक दस्तावेजों जैसे विद्वानों के जर्नल, लेखों और पुस्तकों के लिए सन्दर्भ लेखन की एक प्रचलित शैली और प्रारूप है। यह आमतौर पर व्यवहार और सामाजिक विज्ञान के क्षेत्र में स्रोतों का सन्दर्भ देने के लिए उपयोग किया जाता है। इसका वर्णन अमेरिकन साइकोलॉजिकल एसोसिएशन (एपीए) की स्टाइल गाइड में किया गया है जिसका शीर्षक अमेरिकन साइकोलॉजिकल एसोसिएशन का प्रकाशन मैनुअल (Publication Manual of American Psychological Association) है।

ए पी ए शैली की उत्पत्ति 1929 में हुई, जब मनोवैज्ञानिकों, मानवविज्ञानियों और व्यवसाय प्रबन्धकों ने एक बैठक बुलाई और शोध लेखन की प्रक्रियाओं को एक सरल सेट या शैली दिशानिर्देश स्थापित करने की मांग की जिससे इन्हें पढ़ने और समझने में आसानी हो। इसके लिए उन्होंने अपने निर्मित दिशानिर्देश को मनोवैज्ञानिक बुलेटिन में एक सात-पृष्ठ के लेख के रूप में प्रकाशित किया। समय बीतने के साथ मैनुअल में संशोधन होते रहे तथा नवीन संस्करण प्रकाशित होते रहे। अब तक मैनुअल के 7 संस्करण प्रकाशित हो चुके हैं।

APA Publication Manual के सभी संस्करण एवं प्रकाशन वर्ष

क्रम संख्या	संस्करण	प्रकाशन वर्ष
1	प्रथम संस्करण (First Edition)	1952
2	द्वितीय संस्करण (Second Edition)	1974
3	तृतीय संस्करण (Third Edition)	1983
4	चतुर्थ संस्करण (Fourth Edition)	1994
5	पंचम संस्करण (Fifth Edition)	2001
6	षष्ठम संस्करण (Sixth Edition)	2009
7	सप्तम संस्करण (Seventh Edition)	2019

एपीए मैनुअल के नवीनतम सातवें संस्करण का प्रकाशन अक्टूबर 2019 में हुआ। एपीए शैली में लेखक का नाम और प्रकाशन के वर्ष से युक्त एक संक्षिप्त इन-टेक्स्ट सन्दर्भ गोल कोष्ठक (round brackets) में मुख्य लेख में दिया जाता है। एपीए शैली में शोध लेख में उद्धृत सन्दर्भों हेतु ग्रन्थ सूची (Bibliography) की अपेक्षा सन्दर्भ सूची (reference list) का

उपयोग करने का सुझाव दिया जाता है। लेख अथवा शोधपत्र में सन्दर्भ सूची के अन्तर्गत सन्दर्भों को प्रस्तुत करने के सम्बन्ध में एपीए शैली के सातवें संस्करण के अनुसार सामान्यतः निम्न क्रम व्यवस्था का अनुसरण करना होता है-

- लेखक का अन्तिम नाम (उपनाम) और फिर संक्षिप्त नाम (वास्तविक नाम) लिखें।
- प्रकाशन वर्ष को कोष्ठक में लिखें।
- पुस्तक का नाम इटैलिक्स (Italics) में
- प्रकाशक का नाम

एपीए शैली के सातवें संस्करण के अनुसार विभिन्न प्रकारों को आगे एक-एक करके उदाहरणों के माध्यम से समझाया गया है-

1. पुस्तकों के लिए सन्दर्भ लेखन (Writing References for Books)

(i) एक अथवा दो लेखकों द्वारा लिखी गई पुस्तकें (Books written by a single or double author):

एक लेखक द्वारा लिखी गयी पुस्तक को सन्दर्भ सूची में लिखने का मूल प्रारूप निम्नानुसार है-

Author, A. (Year). *Title of book*. Publisher
लेखक, प्रथम (वर्ष). *पुस्तक का शीर्षक*. प्रकाशक
उदाहरण-

Corey, S. M. (1962). *Research in Education*. National Council of Educational Research and Training.
कपिल, एच. के. (2009). *सांख्यिकी के मूल तत्व (सामाजिक विज्ञानों में)*. श्री विनोद पुस्तक मन्दिर।

दो लेखकों द्वारा लिखी गयी पुस्तक को सन्दर्भ सूची में लिखने का मूल प्रारूप निम्नानुसार है-

Author, A. & Author, B. (Year). *Title of book*. Publisher
लेखक, प्रथम और लेखक, द्वितीय (वर्ष). *पुस्तक का शीर्षक*. प्रकाशक

उदाहरण-

Goode, W. J. & Hatt, P. K. (1952). *Methods in Social Research*. Mc Graw Hill. Book Co.
शुक्ल, डॉ. प्रभात और सिंह, डॉ. कर्ण (2022). *शिक्षा में मापन, मूल्यांकन एवं सांख्यिकी*. गोविन्द प्रकाशन।

(ii) दो से अधिक लेखकों द्वारा लिखी गई पुस्तकें (Books written by a Multiple Author):

तीन लेखकों द्वारा लिखी गयी पुस्तक को सन्दर्भ सूची में लिखने का मूल प्रारूप निम्नानुसार है-

Author, A., Author, B. & Author, C. (Year). *Title of book*. Publisher
लेखक, प्रथम, लेखक, द्वितीय और लेखक, तृतीय (वर्ष). *पुस्तक का शीर्षक*. प्रकाशक

उदाहरण-

Good, C. V., Barr, A. S. & Scates, D. E. (1941). *Methodology of Educational Research*. Appleton Centuries Crafts (Inc.)

मंगल, डॉ. एस. के., मंगल, डॉ. उमा और मंगल, श्रीमती शुभा (2008). *शिक्षण तकनीकी*. आर्य बुक डिपो।

तीन से अधिक लेखक होने पर ए पी ए शैली के छठे संस्करण में प्रथम बार उद्धृत होने पर 7 लेखकों के नाम लिखने होते थे जबकि सातवें संस्करण के अनुसार पुस्तक प्रथम बार उद्धृत होने पर 20 तक लेखकों के नाम सन्दर्भ सूची में लिखे जाएंगे। दूसरी बार प्रयोग होने पर केवल प्रथम लेखक का नाम तथा et. al. (तथा अन्य) का उपयोग किया जाएगा।

उदाहरण:- 20 या उससे अधिक लेखक होने पर पहले 19 लेखकों को सूचीबद्ध करें और फिर तीन बिन्दियाँ (dots) लगायें और फिर 20वें लेखक का नाम लिखें।

Gilbert, J. R., Smith, J. D., Johnson, R. S., Anderson, A., Plath, S., Martin, G., Cox, G., Harris, H. L., Martin, P., Gonzalex, W. L., Hughes, W., Carter, D., Campbell, C., Baker, A. B., Flores, T., Gray, W. E., Green G., Nelson, T. P., Maurer, O., ... Lee, L. H. (2018).

(iii) सम्पादित पुस्तकें (Edited Books):

सम्पादित पुस्तक एक ही विषय पर विभिन्न लेखकों द्वारा लिखे गये लेखों या अध्यायों का संग्रह होती है। सम्पादित पुस्तकें उन लोगों के लिए एक अच्छा संसाधन है जो किसी विषय पर ध्यान केन्द्रित करने वाली सामग्री या किसी विशेष शैली में किए गए कार्यों के संग्रह की तलाश में हैं। विभिन्न प्रकार की सम्पादित पुस्तकों को सन्दर्भ सूची में लिखने के तरीकों के बारे में आगे विस्तार से बताया गया है।

(a) कोई लेखक नहीं (No Author):

सम्पादित पुस्तक में लेखक का नाम न होने पर सन्दर्भ लिखते समय केवल सम्पादक का नाम लिखेंगे तथा सम्पादक के नाम के बाद कोष्ठक में एक सम्पादक के लिए (Ed.) तथा एक से अधिक के लिए (Eds.) लिखेंगे। बिना लेखक की सम्पादित पुस्तक को सन्दर्भ सूची में लिखने का मूल प्रारूप निम्नानुसार है-

Editor, A. (Ed.). (Year). *Title of book*. Publisher

सम्पादक, प्रथम (सम्पादक) (वर्ष). *पुस्तक का शीर्षक*. प्रकाशक

उदाहरण:

Leitch, M. G. (Ed.) (2019). *A new companion to Malory*. D. S. Brewer.

डंकन, जी. जे. एवं बुक्स, गन्न. जे. (सम्पादक) (1997). *कॉन्टेक्ट ऑफ ग्रोथ अप गुडर*. रेसल सेज फाउण्डेशन।

(b) सम्पादित पुस्तक में लेख या अध्याय (Chapter or Article in Edited Book):

कई बार सम्पादकों द्वारा एक अथवा एक से अधिक विद्वानों द्वारा लिखे गये लेखों तथा अध्यायों को संकलित कर सम्पादित पुस्तक प्रकाशित की जाती है। ऐसी स्थिति में सम्पादित पुस्तक के किसी लेख या अध्याय के उद्धरण का सन्दर्भ लिखते समय दो भागों में सन्दर्भ लेखन किया जाता है- 1. अध्याय या लेख का सन्दर्भ और 2. सम्पादित पुस्तक का सन्दर्भ। सम्पादित पुस्तक के लिए सन्दर्भ लिखने का कार्य निम्न उल्लिखित क्रमबद्ध व्यवस्थित सोपानों में किया जाता है-

- प्रथम भाग में अध्याय या लेख का सन्दर्भ है तथा दूसरे भाग में सम्पादित पुस्तक का सन्दर्भ देने से पहले अंग्रेजी में 'In' अथवा हिन्दी में 'अन्तर्गत' लिखें।
- 'In' अथवा 'अन्तर्गत' लिखने के बाद सम्पादक या सम्पादकों के नाम लिखें तथा नाम के बाद कोष्ठक में एक सम्पादक के लिए (Ed.) तथा एक से अधिक के लिए (Eds.) लिखें।
- बाद में पुस्तक का नाम इटैलिक्स (Italics) में लिखें। इसके बाद संस्करण (प्रथम, द्वितीय, तृतीय आदि) तथा अध्याय या लेख का पृष्ठ संख्या लिखें।
- अन्त में प्रकाशक का नाम लिखें।

प्रारूप निम्नानुसार है-

Author of Chapter, A. A. (Year). Title of Chapter or article. In A. Editor (Ed.), *Title of book*. (10th Edition, pp. xx-xx). Publisher

लेखक, प्रथम (वर्ष). अध्याय अथवा लेख का शीर्षक. In प्रथम सम्पादक (सम्पादक), *पुस्तक का शीर्षक*. (प्रथम संस्करण, पृ. 10-20). प्रकाशक।

उदाहरण:

Bernan, K. A., Clark, C. L. & Shaver, P. R. (1998). Self-report measurement of adult romantic attachment: An integrative overview. In J. A. Simpson & W. S. Roles (Eds.), *Attachment Theory and Close Relationships*. (pp. 46-47). Guilford Publication.

शुक्ल, प्रभात एवं शर्मा, मीना (2010). प्रमुख पर्यावरणीय समस्याएँ. In डॉ. अखिलेश चन्द्र एवं डॉ. गीता सिंह (सम्पादक), *पर्यावरण: दशा एवं दिशा*. (प्रथम संस्करण, पृ. 96-10). संजय बुक सेंटर, गोलघर, वाराणसी।

2. जर्नल में लेख के लिए सन्दर्भ लेखन (Writing References for Articles in Journals)

जर्नल लेख पुस्तकों के अध्याय आदि से छोटे होते हैं तथा बहुत विशिष्ट विषयों के बारे में लिखे जाते हैं। जर्नल विशिष्ट लेखों का एक संग्रह होता है जो पूरे वर्ष नियमित रूप से प्रकाशित होता है। जर्नल में नवीनतम शोध प्रकाशित किए जाते हैं तथा जर्नल लेख विशेषज्ञों द्वारा, विशेषज्ञों के लिए लिखे जाते हैं।

किसी जर्नल में प्रकाशित लेख का सन्दर्भ लिखते समय निम्न प्रारूप का अनुसरण करते हैं:-

Author, A. A. & Author B. B. (Year). Title of Article. *Title of Journal*. Volume (Issue), pp. xx-xx.
लेखक, प्रथम और लेखक, द्वितीय (वर्ष). लेख का शीर्षक, *जर्नल का शीर्षक*. वॉल्यूम (इश्यू), पृ. सं.।

उदाहरण:

Shukla, P. & Sharma, M. (2010). Effect of Parent's affection and rejection on Personality of Children. *QUEST, The Journal of UGC-ASC Nainital*. 4(1), 95-98.

शुक्ल, प्रभात (2022). आचार्य श्रीराम शर्मा के शैक्षिक विचारों का अध्ययन. *विद्यावार्ता*. 2(43), 144-151।

ऑनलाइन उपलब्ध जर्नल में से सन्दर्भ सूची में सम्मिलित किए गए लेखों को लिखने हेतु निम्न लिखित प्रारूप का अनुसरण किया जाता है:-

Author, A. A. & Author B. B. (Year). Title of Article. *Title of Journal*. Volume (Issue), pp. xx-xx. <http://xxxx>
लेखक, प्रथम और लेखक, द्वितीय (वर्ष). लेख का शीर्षक. *जर्नल का शीर्षक*. वॉल्यूम (इश्यू), पृ. सं., <http://xxx>

उदाहरण:

Chikweto, A., Bhatiya, M. I., Tiwari, K. P., de Allie, C., & Sharma, R. N. (2012). Spirocercosis in owned and stray dogs in Grenada. *Veterinary Parasitology*. 190(3), 613-616. <http://doi.org/10.1016/j.vetpar.2012.07.006>

शुक्ल, प्रभात (2021). ऑनलाइन माध्यम से शिक्षण के प्रति शिक्षकों की अभिवृत्ति का अध्ययन. *International Journal of All Research Education & Scientific Methods (IJARESM)*. 9(12), <http://www.ijaresm.com/dr-prabhat-shukla>

3. पत्रिकाओं तथा समाचार पत्र के लेखों के लिए सन्दर्भ लेखन (Writing References for Articles in Magazines and News Papers)

समाचार पत्र अथवा पत्रिकाओं में प्रकाशित लेखों का सन्दर्भ लिखते समय निम्न बातों को ध्यान में रखते हैं-

- लेख लिखने वाले लेखक का नाम उपनाम पहले लिखते हुए लिखें।
- वर्ष और प्रकाशन की तारीख लिखें।
- लेख का शीर्षक लिखें। यदि लेखक का नाम नहीं है तो लेख का शीर्षक सबसे पहले लेखक के नाम की जगह लिखना है।
- समाचार पत्र/पत्रिका का शीर्षक (तिरछे अक्षरों में) लिखें।
- पृष्ठ संख्या यदि उपलब्ध हो तो लिखें।
- यदि समाचार पत्र/पत्रिका ऑनलाइन माध्यम से देखी गयी है तो वेबसाइट यू.आर.एल. पूरा लिखें।

समाचार पत्र/पत्रिका में प्रकाशित लेख के लिए निम्न प्रारूप का अनुसरण करते हुए सन्दर्भ लिखेंगे-

बिना लेखक का लेख-

Title of article (Year, Month Day). *Newspaper/Magazine Title*. Volume (Issue), pp. xx-xx. <http://xxxx>

लेख का शीर्षक (वर्ष, माह दिनांक). *समाचार पत्र/पत्रिका का शीर्षक*. वॉल्यूम (इश्यू), पृ. सं., <http://xxx>

उदाहरण:

India overtakes UK to become 5th largest economy in world (2022, September 4). *Sunday Times of India*. p 1.

उत्तर प्रदेश की जेलों में सबसे ज्यादा पढ़े लिखे कैदी (2022, सितम्बर 4). *अमृत विचार*. पृ. सं. 1

एक अथवा अधिक लेखकों का लेख-

Author, A. A. & Author, B. B. (Year, Month Day). Title of article. *Newspaper/Magazine Title*. Volume (Issue), pp. xx-xx. <http://xxxx>

लेखक, प्रथम एवं लेखक, द्वितीय (वर्ष, माह दिनांक). लेख का शीर्षक. समाचार पत्र/पत्रिका का शीर्षक. वॉल्यूम (इश्यू), पृ. सं., <http://xxx>

उदाहरण समाचार पत्र:

Dabas, H. (2022, September 4). Under Modi's leadership, India now 5th largest economy: Yogi. *Sunday Times*. p 5.

शेखर, शशि (2022, सितम्बर 4). आत्मघाती समय के विरोध में. *हिन्दुस्तान*. पृ. सं. 6

उदाहरण पत्रिका लेख:

Bharadwaj, K. K. (2015, February). Indian National Movement. *Competition Success Review*. p 5.

पाण्डेय, विजन कुमार (2015, फरवरी). नाकाम नहीं रही सार्क की बैठक. *प्रतियोगिता दर्पण*. पृ. सं. 83-85

4. शोध प्रबन्ध तथा प्रोजेक्ट कार्य के लिए सन्दर्भ लेखन (Writing References for Thesis and Project work)

लेख में सम्मिलित किए गए अप्रकाशित शोध प्रबन्ध अथवा प्रोजेक्ट कार्य के लिए निम्न प्रारूप का अनुसरण करते हुए सन्दर्भ लिखेंगे-

Author, A. A. (Year). *Title of doctoral dissertation or master's thesis* [Unpublished doctoral or master's thesis]. University, Location.

शोधकर्ता, प्रथम (वर्ष). *शोध प्रबन्ध अथवा प्रोजेक्ट कार्य का शीर्षक*. [पी-एच.डी. अथवा स्नातकोत्तर अप्रकाशित शोध प्रबन्ध] विश्वविद्यालय का नाम।

प्रकाशित शोध प्रबन्ध अथवा प्रोजेक्ट कार्य के लिए निम्न प्रारूप का अनुसरण करते हुए सन्दर्भ लिखेंगे-

Author, A. A. (Year). *Title of doctoral dissertation or master's thesis* (Publication No.) [doctoral or master's thesis, Name of the Institution/University]. Publisher.

शोधकर्ता, प्रथम (वर्ष). *शोध प्रबन्ध अथवा प्रोजेक्ट कार्य का शीर्षक*. (प्रकाशन संख्या) [पी-एच.डी. अथवा स्नातकोत्तर शोध प्रबन्ध, विश्वविद्यालय का नाम]. प्रकाशक का नाम।

5. ऑनलाइन संसाधनों के लिए सन्दर्भ लेखन (Writing References for Online Resources)

ऑनलाइन संसाधन का अर्थ सामान्य तौर पर इंटरनेट पर उपलब्ध वेब पेज और दस्तावेज से है जोकि उपयोगी जानकारी प्रदान करते हैं। इसके अन्तर्गत सभी डोमेन का नाम, यू.आर.एल., इंटरनेट पर उपलब्ध सामग्री, ब्लॉग, सोशल मीडिया साइट (जैसे फेसबुक, यूट्यूब, ट्विटर आदि) और इसी तरह इंटरनेट पर उपलब्ध सभी प्रकार की सन्दर्भ सामग्री आती है। इंटरनेट के माध्यम से उपलब्ध सामग्री में जर्नल, समाचार पत्र, शोध पत्र आदि भी शामिल है जिनके सन्दर्भ लेखन के बारे में जानकारी पूर्व में ही दी गयी है।

इंटरनेट पर उपलब्ध सामग्री के पते कई बार बदल जाने तथा लिंक टूट जाने की समस्या को ध्यान में रखते हुए प्रकाशकों ने ऑनलाइन उपलब्ध सन्दर्भ सामग्री विशेष रूप से विद्वानों के जर्नल लेखों को **डिजिटल ऑब्जेक्ट आइडेन्टिफायर (DOI)** संख्या निर्धारित करना शुरू कर दिया है। डिजिटल ऑब्जेक्ट आइडेन्टिफायर (DOI) के अन्तर्गत ऑनलाइन उपलब्ध लेख या दस्तावेज को, विशिष्ट रूप से पहचानने, यू.आर.एल. पते को छोटा करने तथा एक स्थायी वेब पता (यू.आर.एल.) प्रदान करने से उद्देश्य से, संख्याओं, अक्षरों और प्रतीकों की एक कड़ी का रूप दिया जाता है। डी.ओ.आई. मिलने के बाद यदि ऑनलाइन सामग्री का वेब पता बदल भी जाता है तब भी उसका डी.ओ.आई. वही रहेगा। डी.ओ.आई. से सन्दर्भित उद्धरण की पुष्टि करने के लिए डी.ओ.आई. पते को डी.ओ.आई. रिजॉल्वर वेब साइट <http://www.crossref.org/> पर सर्च किया जा सकता है।

एपीए 7 संस्करण के अन्तर्गत ऑनलाइन उपलब्ध सामग्री का सन्दर्भ लिखते समय लेखों, शोध पत्रों तथा ईबुक आदि के लिए डिजिटल ऑब्जेक्ट आइडेन्टिफायर (DOI) नंबर यदि उपलब्ध है तो लिखना आवश्यक है। यदि डिजिटल ऑब्जेक्ट

आइडेंटिफायर (DOI) नम्बर उपलब्ध नहीं है तो उसका सन्दर्भ को ऑनलाइन न मानते हुए प्रिंट रूप में ही माना जाएगा तथा ऐसे लेख के लिए वेब पता/यू.आर.एल. लिखना आवश्यक नहीं है।

कुछ ऑनलाइन माध्यमों के सन्दर्भ लेखन के प्रारूपों की चर्चा आगे की गयी है।

वेबपेज/वेबसाइट (Webpages/Website)

Author, A. A. (Year). *Title of page.* website. <http://xxxx>

लेखक, प्रथम (वर्ष). *वेबपेज का शीर्षक.* वेबसाइट, <http://xxx>

उदाहरण:

Singh, P. B. (n. d.). *Vice Chancellor's Message.* <https://www.ssuniversity.ac.in/page/vice-chancellor>

ब्लॉग पोस्ट (Blog Post)

Author, A. A. & Author, B. B. or Screen Name. (Year, Month Day). *Title of blog post.*

Blog Title. <http://xxxx>

लेखक, प्रथम एवं लेखक, द्वितीय अथवा स्क्रीन नाम. (वर्ष). *ब्लॉग पोस्ट का शीर्षक.* ब्लॉग का शीर्षक. <http://xxxx>

ऑनलाइन माध्यम में स्क्रीन नाम वह नाम होता है जिसे उपयोगकर्ता दूसरों के साथ ऑनलाइन संचार करते समय उपयोग करने हेतु चुनता है। स्क्रीन नाम किसी व्यक्ति का वास्तविक नाम, वास्तविक नाम का रूपांतरित नाम अथवा पूरी तरह से बदला हुआ छद्म नाम हो सकता है।

उदाहरण:

कोहली, दीपक. (2020). *आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस द्वारा कोविड-19 का परीक्षण.* https://www.rachanakar.org/2020/05/19_6.html

ऑनलाइन वीडियो (Online Video e.g. YouTube)

Author, A. A. [username]. (Year, Month day). *Title of video* [Video]. website. <http://xxxx>

लेखक, प्रथम [username]. (वर्ष, माह दिनांक). *वीडियो का शीर्षक* [Video]. वेबसाइट, <http://xxx>

उदाहरण: Sharma, M. (2020, May 18). *Krut lewin field theory of learning* [Video]. youtube. <https://www.youtube.com/watch?v=xou359BdpJw>

फेसबुक (Facebook)

Author, A. A. (Year, Month day). *Text of Facebook post (text, image or video), up to 20 words* [Status update/Video/Infographic/Image]. website. <http://xxxx>

लेखक, प्रथम (वर्ष, माह दिनांक). *फेसबुक पोस्ट का टेक्स्ट (टेक्स्ट, इमेज या वीडियो) 20 शब्दों तक* [Status update/Video/Infographic/Image]. वेबसाइट, <http://xxx>

उदाहरण: राजपूत, जे. एस. (2019, जुलाई 22). *नई शिक्षा नीति को लागू करने की चुनौती (इमेज)* facebook, <https://www.facebook.com/profjsrajput43/posts/pfbid036e6JFg5YF5VtBohangCXPTGQxPLdHUmtMBhyfC4LYHnVdJcx6WAKC98Bh4z9487I>

ट्विटर (Twitter now X)

Author, A. A. [@twittername]. (Year, Month day). *Full text of tweet* [Tweet]. Twitter. <http://xxxx>

लेखक, प्रथम [@twittername]. (वर्ष, माह दिनांक). *ट्वीट का पूरा टेक्स्ट* [Tweet]. Twitter, <http://xxx>

उदाहरण: Chetteri, S. [@OfficialIGNOU]. (2022, September 5). *IGNOU to introduce dual degree prog from this session*

[Image]. Twitter: <https://twitter.com/OfficialIGNOU/status/1566681518554001408?s=20&t=oBuh3U-RDeuqnRX0BRZz7g>

ऑनलाइन रिपोर्ट (Online Report)

Author, A. A. (Year). *Title of report* (Report No.). website. <http://xxxx>

लेखक, प्रथम (वर्ष). *रिपोर्ट का शीर्षक (रिपोर्ट संख्या)*. वेबसाइट, <http://xxx>

उदाहरण: Government of India (2020). *National Education Policy 2020*. Department of School Education & Literacy. https://static.pib.gov.in/WriteReadData/userfiles/NEP_Final_English_0.pdf

शब्द संक्षेप (Abbreviations)

सन्दर्भ सूची को लिखते समय स्थान की बचत की दृष्टि से कुछ शब्दों के संक्षिप्त रूपों का प्रयोग किया जाता है। शोधकर्ताओं तथा लेखकों को इन मानक शब्द संक्षेपों से सुपरिचित कराने के लिए कुछ महत्वपूर्ण शब्द संक्षेप आगे तालिका में प्रदर्शित हैं-

क्र. सं.	संक्षिप्त रूप (Short Form)	मूल शब्द (Original Word)	अर्थ (Meaning)
1	art., arts.	article, articles	लेख
2	bk., bks.	book, books	पुस्तकें
3	c., ca., cir., cca.	circa (approximate date)	लगभग तिथि
4	cf.	Compare	तुलना
5	chap.	chapter	अध्याय
6	col., cols.	column, columns	स्तम्भ, स्तम्भों
7	div., divs.	division, divisions	भाग, भागों
8	ed., eds.	editor, editors	सम्पादक, सम्पादकों
9	ed., edd.	edition, editions	संस्करण, संस्करणों
10	et al.	and others	तथा अन्य
11	e.g.	for example	उदाहरणार्थ
12	et seq.	and the following (Latin <i>et sequens</i>)	और निम्नलिखित
13	f., ff.	and the following (pages)	और क्रमबद्ध पृष्ठ
14	fig., figs.	figure, figures	आकृति, आकृतियाँ
15	idem	same person	वही व्यक्ति
16	i.e.	that is	अर्थात्
17	illus.	illustrated	सोदाहरण
18	infra.	below	नीचे
19	l., ll.	line, lines	पंक्ति, पंक्तियाँ
20	mimeo	mimeographed	संस्मरण
21	m. s.	manuscript	पाण्डुलिपि
22	n. d.	no date given	तिथि नहीं दी गयी
23	n. n.	no name given	नाम नहीं दिया गया
24	n. p.	no place given	स्थान नहीं दिया गया
25	no., nos.	number, numbers	संख्या, संख्याएं
26	p., pp.	page, pages	पृष्ठ
27	par., pars.	paragraph, paragraphs	पैराग्राफ

28	passim.	Scattered	यहाँ-वहाँ बिखरा
29	pt., pts.	part, parts	अंग, अंगों
30	rev.	revised	संशोधित
31	sec.	section	वर्ग/अनुभाग
32	sic.	so, thus	इस प्रकार
33	supra.	above	ऊपर
34	trans.	translated	अनूदित
35	v., vide.	see	देखिए
36	vol.	volume	खण्ड

सन्दर्भ सूची (Reference):

American Psychological Association. (2020). Publication manual of the American Psychological Association (7th ed.). <https://doi.org/10.1037/0000165-000>

Declaration by Author (s): "I/We hereby declare that this manuscript is my/our original work, free from plagiarism, and that all sources and any use of Artificial Intelligence tools for content generation or editing have been fully disclosed and verified for accuracy." **डॉ. प्रभात शुक्ल**

